देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 10.04.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देहरादून दौरे को लेकर तैयारियां तेज, आशारोड़ी से गढ़ीकैंट तक पूरे रूट को 13 जोन में बांटा गया। यातायात प्लान जारी।
- नए शिक्षा सत्र शुरू होने के मात्र एक सप्ताह के भीतर प्रदेशभर के राजकीय और अशासकीय विद्यालयों में छात्र–छात्राओं को 23 लाख से अधिक निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की गईं।
- चारधाम यात्रा के दौरान संभावित आपदाओं और आकस्मिक परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रदेश के सात जिलों में मॉक ड्रिल का आयोजन।
- देहरादून से मसूरी को जोड़ने वाले ऐतिहासिक किपलिंग ट्रैक के पुनरोद्धार की योजना पर तेजी से किया जा रहा काम।

प्रधानमंत्री दौरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 14 अप्रैल को प्रस्तावित देहरादून दौरे और दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस हाईवे के लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। आशारोड़ी से गढ़ीकैंट तक पूरे रूट को 13 जोन में विभाजित कर जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध और चाक–चौबंद रखने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री के स्वागत में हजारों लोगों के जुटने की संभावना को देखते हुए पेयजल, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। जिलाधिकारी ने कानून व्यवस्था का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर देहरादून पुलिस ने यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए रूट डायवर्जन प्लान भी जारी किया है। पुलिस–प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे जारी यातयात प्लान का पालन करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुस्तक वितरण

शिक्षा व्यवस्था में पहली बार नये शिक्षा सत्र शुरू होने के मात्र एक सप्ताह के भीतर प्रदेशभर के राजकीय और अशासकीय विद्यालयों में छात्र–छात्राओं को 23 लाख 71 हजार 789 निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई हैं।

विद्यालयी शिक्षा मंत्री ने डॉ. धन सिंह रावत ने एक बयान में बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल और सख्ती के चलते शिक्षा विभाग ने वर्षों से चली आ रही देरी की परंपरा को तोड़ते हुए समय पर किताबें उपलब्ध कराई हैं। कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों को सत्र शुरू होते ही पुस्तकें मिलने

से शैक्षणिक गतिविधियां अब निर्बाध रूप से संचालित हो रही हैं और छात्रों में पढ़ाई के प्रति उत्साह भी बढ़ा है। शिक्षा विभाग को 78 लाख 18 हजार से अधिक पुस्तकों की मांग प्राप्त हुई थी, जिसमें से अधिकांश की आपूर्ति कर दी गई है, जबकि शेष पुस्तकों का वितरण युद्धस्तर पर जारी है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी विद्यालयों में किताबों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी और फीडबैक लिया जाए। विभागीय मंत्री ने कहा कि नए शिक्षा सत्र के एक सप्ताह के भीतर 23 लाख से अधिक निःशुल्क किताबें वितरित किया जाना शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, सरकार की प्राथमिकता है, ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके।

संसद निरीक्षण

नैनीताल–ऊधमसिंह नगर सांसद अजय भट्ट ने नैनीताल के लालकुआं विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गोलापार स्थित सूर्या नाले का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पहले चरण की स्वीकृति प्राप्त होने पर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दूसरे चरण की स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूरी करने और वन विभाग से संबंधित प्रक्रियाओं को भी तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने शेरनाला में निर्माणाधीन मोटर पुल के कार्य की प्रगति का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को जरूरी दिशा–निर्देश दिए।

मॉक ड्रिल

आगामी चारधाम यात्रा के दौरान संभावित आपदाओं और आकस्मिक परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आज प्रदेश के सात जिलों में मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। इस दौरान विभिन्न आपदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन और राहत एजेंसियों की तैयारियों को परखा जा रहा है। टिहरी जिले में टिहरी बांध से पानी छोड़े जाने की स्थिति का अभ्यास किया गया, जिसके तहत देवप्रयाग क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने की स्थिति को देखते हुए नदी किनारे रहने वाले लोगों को मुनादी कराकर सतर्क किया गया और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने का अभ्यास किया गया। इसी तरह के अभ्यास अन्य जिलों में किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस अभ्यास का उद्देश्य आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय और राहत कार्यों की तैयारियों का आकलन करना है।

किपलिंग ट्रैक

देहरादून से मसूरी को जोड़ने वाले ऐतिहासिक किपलिंग ट्रैक के पुनरोद्धार की योजना पर तेजी से काम किया जा रहा है। मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण की ओर से लगभग पांच करोड़ रुपए की लागत से साढ़े तीन किलोमीटर लंबे इस ट्रैक को विकसित किया जा रहा है। मसूरी–देहरादून विकास प्राधिकरण

के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि किपलिंग ट्रैक का पुनरोद्धार राज्य के पर्यटन विकास में मील का पत्थर साबित होगा। यह मार्ग उन पर्यटकों के लिए खास होगा, जो भीड़–भाड़ से दूर प्रकृति के बीच शांत वातावरण में समय बिताना चाहते हैं। प्राधिकरण के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि यह परियोजना पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसमें वृक्षारोपण, बर्ड हाउस और स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इससे जैव विविधता और पारिस्थितिकी संतुलन को मजबूती मिलेगी। वहीं, स्थानीय स्तर पर इस परियोजना से रोजगार और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे गाइड, होमस्टे संचालकों और छोटे व्यापारियों को लाभ मिलेगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। शहनशाही आश्रम से झड़ीपानी तक फैला यह ट्रैक प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और पहाड़ी दृश्यों के लिए जाना जाता है। बढ़ते यातयात और शोर–शराबे के बीच इसे एक वैकल्पिक शांत और प्रकृति–आधारित पर्यटन मार्ग के रूप में विकसित किया जा रहा है।

<u>केदारनाथ यात्रा</u>

आगामी 22 अप्रैल से शुरू हो रही केदारनाथ धाम की यात्रा को लेकर रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने विपरीत मौसम के बावजूद तैयारियों को तेज कर दिया है। हालिया बर्फबारी से जहां व्यवस्थाओं में चुनौती पैदा हुई है, वहीं प्रशासनिक टीमें पूरे मुस्तैदी के साथ यात्रा मार्ग और धाम क्षेत्र को सुचारु बनाने में जुटी हुई हैं। लोक निर्माण विभाग, गुप्तकाशी के अधिशासी अभियंता राजविंद सिंह ने बताया कि मौसम के अनुकूल होते ही बर्फ हटाने का कार्य फिर से तेज कर दिया गया है। धाम क्षेत्र में हेलीपैड से लेकर रुद्र प्वाइंट और संगम सेतु तक मशीनों और श्रमिकों की मदद से तेजी से बर्फ हटाई जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

<u>अतिक्रमण</u>

चारधाम यात्रा को सुगम और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से हरिद्वार जिला प्रशासन की ओर से शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान के नेतृत्व में नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने पंतद्वीप घाट और उसके आसपास के क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई की। इस दौरान घाट और आसपास के क्षेत्रों में अवैध रूप से बनाई गई लगभग 100 से अधिक झोपड़ियों और खोखों को ध्वस्त किया गया। प्रशासन की टीम ने मौके पर मौजूद लोगों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में इन स्थानों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।